ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

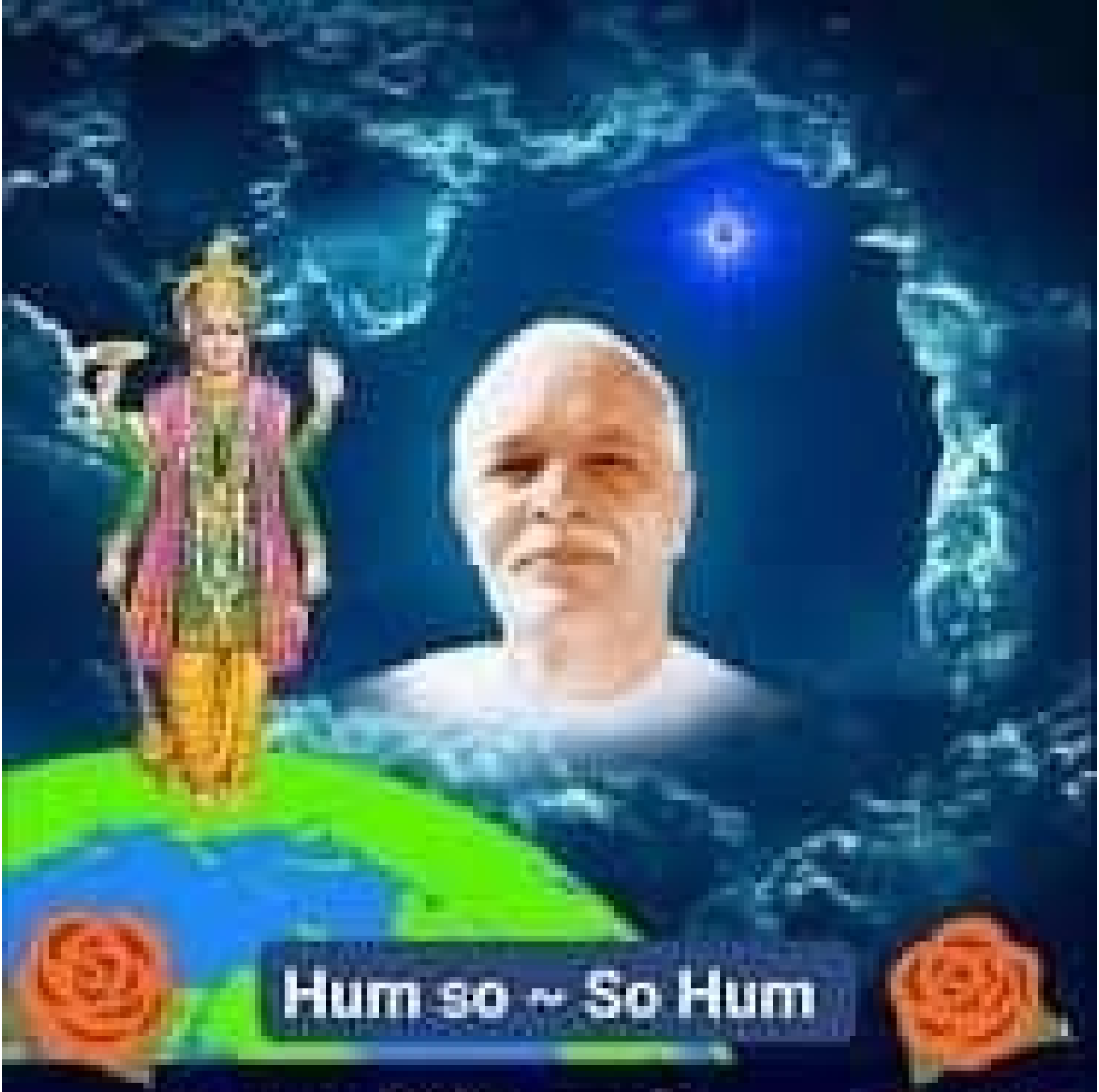

मीठे बच्चे .....

जो स्वमान की सीट पर सेट है ,
उनका जिम्मेदार बाप यानि मैं
शिव पिता हूँ ....

पुरुषार्थ की चाल में जो परिवर्तन किया है, वह अविनाशी किया है या अल्पकाल के लिए? कैसी भी कोई परिस्थिति आये, कैसे भी विघ्न हिलाने के लिए आ जाये लेकिन जिसके साथ बाप सर्वशक्तिवान है उनके सामने वह विघ्न क्या हैं? उनके आगे विघ्न, परिवर्तन होकर क्या बन जाएंगे? 'विघ्न लगन का साधन बन जाएंगे'। हर्षित होंगे ना? यदि कोई भी परिस्थिति व व्यक्ति विघ्न लाने के निमित्त बनता है तो उसके प्रति घृणा - दृष्टि, व्यर्थ संकल्पों की उत्पत्ति नहीं होनी चाहिए लेकिन उसके प्रति वाह-वाह निकले। अगर यह दृष्टि रखो तो आप सभी की श्रेष्ठ दृष्टि हो जाएगी। कोई कैसा भी हो, लेकिन अपनी दृष्टि और वृत्ति सदैव शुभ-चिंतक की हो और कल्याण की भावना हो। हर बात में कल्याण दिखाई दे। कल्याणकारी बाप की सन्तान कल्याणकारी हो ना? कल्याणकारी बनने के बाद कोई भी अकल्याण की बात हो नहीं सकती। यह निश्चय और स्मृति-स्वरूप हो जाओ तो आप कभी डगमग नहीं हो सकेंगे।

बापदादा 20/06/1973

"भोजन बनाने के समय पहले.."

भोजन बनाते हो, भोजन बनाने के समय पहले भोग लगाना है अर्थात् प्यारे ते प्यारे बाप को स्वीकार कराना है - इस स्मृति से भोजन बनाओ कि किसको खिलाना है! आजकल की दुनिया में अगर कोई प्राईम मिनिस्टर वा प्रेजीडेन्ट आपके पास खाने आते हैं कितनी खुशी होती है लेकिन बाप के आगे यह सब क्या हैं! तो सदा बाप आपके साथ भोजन खाते हैं - भक्त बिचारे बार-बार घण्टियाँ बजा-बजा कर थक जाते हैं, बुलाते-बुलाते भूल भी जाते हैं - लेकिन बच्चों के साथ बाप का वायदा है सदा साथ रहेंगे। तुम्हीं से खावें, तुम्हीं से बैठें, तो इससे बड़ी खुशी और क्या चाहिए - तो भोजन के समय भी तुम्हीं से खाऊं यह सलोगन याद रखो - ऐसे खुशी के खजाने को यूज़ करो।

Avyakt Murli - 12-01-79

/AvyaktMurliEssence

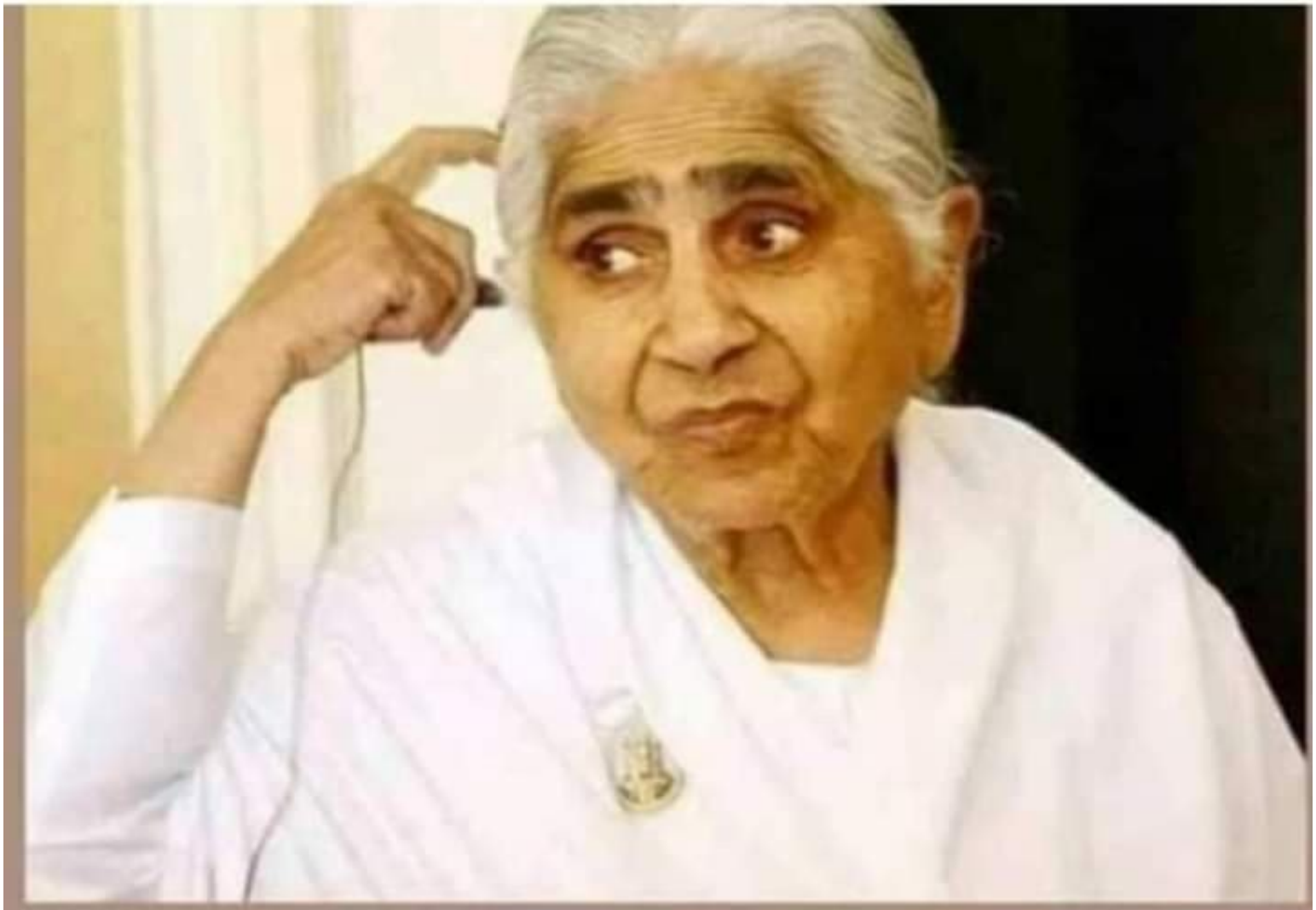

Bk Jagdish Sachdev

समझदार इंसान

न तो किसी की बुराई सुनता है और न ही किसी की बुराई करता है

सभी अपने को सदा मास्टर सर्वशक्तिवान समझते हुए हर कार्य करते हो? सदा सेवा के क्षेत्र में अपने को मास्टर सर्वशक्तिवान समझकर सेवा करेंगे तो सेवा में सफलता हुई पड़ी है क्योंकि वर्तमान समय की सेवा में सफलता का विशेष साधन है - 'वृत्ति से वायुमण्डल बनाना'।

परमात्मा सबसे अच्छा सौदागर है । कैसे ?
हम परमात्मा के आगे जाकर कहते हैं की हे भगवान / हे अल्लाह, मेरा ये दुःख दूर करो । मैं आपको एक नारियल चढ़ाऊंगा । हम नारियल बनाने वाले से नारियल का सौदा करते हैं । फिर भी वो भोलानाथ , हमारी भावना पूरी करते हैं । जो निस्वार्थी , निष्कामी और परोपकारी है , उसे हम केवल दुःख के समय याद करते हैं । क्या आपको नहीं लगता कि ऐसे परमात्मा को सदैव याद करना चाहिए !?

BK Dr.Damini

2 लोगों का रिश्ता सोच से बनता है।

एक दुसरे की कमज़ोरियों का चिंतन करे, तो Negative vibrations दूसरे को पहुंचती हैं, दूसरा भी negative सोचना शुरू करता है, रिश्ते में गांठें पड़ जाती हैं।

कितनी भी पुरानी गांठें हों, सिर्फ 1 बदले, अच्छा सोचे ... रिश्ता सुन्दर बन जायेगा।

Relationship is an Energy Exchange.

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org